दैनिक जागरण आई नेक्स्ट 31/07/2025

code और
follow करें
हमारा चैनल.

सीएसए व एमएसएमई के बीच साइन हुआ एमओयू

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में हुआ कार्यक्रम

kanpur@inext.co.in

KANPUR (30 July): सीएसए यूनिवर्सिटी और माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज के बीच वेडनसडे को मार्स हाल लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान कार्यक्रम में एमओयू पर साइन हुए . इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपस्थित रहे. यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि इस एमओयू से यूनिवर्सिटी के पास आउट एग्रीकल्चर स्टूडेंट अपना स्वयं का इनोवेटिव बिजनेस शुरू कर सकेंगे.

मनपसंद बिजनेस का मौका

डॉ. सिंह ने कहा कि इस एमओयू से एग्रीकल्चर आधारित एंटरप्रेन्योरशिप सहित अन्य विषयों पर वेबीनार और वर्कशॉप के माध्यम से ग्लोबल मार्केट में विशेषज्ञता के आदान-प्रदान हो सकेगा. जिसमें टेक्नोलॉजी और डिजिटल मार्केट, ग्रीन इकोनॉमी तथा छोटेबिजनेस को सुविधाजनक बनाया जाएगा. तथा एग्रीकल्चर क्षेत्र के इंडस्ट्रीज को बढ़ावा एवं विकसित करने हेतु नए आयाम स्थापित होंगे.

5 लाख का ब्याजमुक्त ऋण

उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत 21 से 40 साल के युवाओं को 5 लाख तक का ब्याज मुक्त, गारंटी मुक्त एवं 10% अनुदान युक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा. यह एमओयू यूनिवर्सिटी एवं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान माइक्रो, स्मॉल और मीडियम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग उत्तर प्रदेश के बीच हुआ.इस अवसर पर एमएसएमई,खादी, ग्रामोद्योग, रेशम एवं वस्त्र मंत्री राकेश सचान, उद्योग निदेशालय के आयुक्त एवं निदेशक के. विजयेंद्र पांडियन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे.

सीएसए और एमएसएमई के मध्य हुआ समझौता

कानपुर, 30 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर और सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के मध्य आज मार्स हाल इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान कार्यक्रम में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सीएसए के मंत्री राकेश सचान, उद्योग निदेशालय के आयुक्त एवं निदेशक के. विजयेंद्र पांडियन मौजूद रहे। सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर से विश्वविद्यालय के पास आउट कृषि छात्र अपना स्वयं का नवोन्मेषी व्यवसाय विकसित कर सकेंगे। डॉ सिंह ने कहा कि इस समझौता द्वारा कृषि आधारित उद्यमिता सहित अन्य विषयों पर वेबीनार और कार्यशालाओं के माध्यम से वैश्विक बाजार में विशेषज्ञता के आदान-प्रदान होगा। जिसमें प्रौद्योगिकी और डिजिटल व्यापार, हरित अर्थव्यवस्था तथा छोटे व्यवसाय को सुविधाजनक बनाया जाएगा। तथा कृषि क्षेत्र के उद्योगों को बढ़ावा एवं विकसित करने के लिए नए आयाम स्थापित होंगे। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत 21 से 40 वर्ष के युवाओं को 5 लाख तक का ब्याज मुक्त, गारंटी मुक्त एवं 10 फीसदी अनुदान युक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। यह समझौता विश्वविद्यालय एवं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान सूक्ष्म, लघु एवं उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग उत्तर प्रदेश के मध्य हुआ।

सीएम योगी आदित्य नाथ की मौजूदगी में समझौता पत्र दिखाते कुलपति।

कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ, कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह व एमएसएमई, खादी, ग्रामोद्योग, रेशम एवं वस्त्र मंत्री राकेश सचान शामिल हुए

उद्योग नगरी टाइम्स
हिन्दी दैनिक

सीएसए और एमएसएमई के मध्य समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर

कानपुर यू एन टी । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर और सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम के मध्य आज मार्स हाल इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान कार्यक्रम में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर प्रदेश की यशस्वी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर से विश्वविद्यालय के पास आउट कृषि छात्र अपना स्वयं का नवोन्मेषी व्यवसाय विकसित कर सकेंगे। डॉ सिंह ने कहा कि इस समझौता द्वारा कृषि आधारित उद्यमिता सहित अन्य विषयों पर वेबीनार और कार्यशालाओं के माध्यम से वैश्विक बाजार में विशेषज्ञता के आदान-प्रदान जिसमें प्रौद्योगिकी और डिजिटल व्यापार, हरित अर्थव्यवस्था तथा छोटे व्यवसाय को सुविधाजनक बनाया जाएगा। तथा कृषि क्षेत्र के उद्योगों को बढ़ावा एवं विकसित करने हेतु नए आयाम स्थापित होंगे ।उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत 21 से 40 वर्ष के युवाओं को 5 लाख तक का ब्याज मुक्त, गारंटी मुक्त एवं 10ब अनुदान युक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। यह समझौता विश्वविद्यालय एवं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान सूक्ष्म, लघु एवं उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग उत्तर प्रदेश के मध्य हुआ ।इस अवसर पर एमएसएमई,खादी, ग्रामोद्योग, रेशम एवं वस्त्र मंत्री श्री राकेश सचान, उद्योग निदेशालय के आयुक्त एवं निदेशक के. विजयेंद्र पांडियन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

The Pioneer

Paper with passion since 1865

LUCKNOW, FRIDAY AUGUST 01, 2025; PAGES 12

Vol. 161 Issue 208

PUBLISHED FROM: DELHI LUCKNOW BHOPAL BHUBANESWAR RANCHI CHANDIGARH DEHRADUN HYDERABAD

trees

pped with a
em to ensure
atering of the

essed enthu-
on from rail-
staff, all of
ook part in
ngs.
reness about
onservation,
, Chief
Manager of
ilway, urged
more trees in
urroundings.
was success-
der his guid-
pport of var-
nd horticul-
lective effort
ward in pro-
le practices
eener future.

MoU signed

PIONEER NEWS SERVICE
Kanpur

A memorandum of understanding (MoU) was signed between Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology, Kanpur, and the Department of Micro, Small and Medium Enterprises, Government of Uttar Pradesh. The signing took place during the Mukhyamantri Yuva Udyami Vikas Abhiyan programme held at Indira Gandhi Pratishthan, Lucknow. CM Yogi Adityanath, graced the occasion.

V-C Dr Anand Kumar Singh said this MoU would enable agriculture graduates from the university to establish their own innovative enterprises. He said the collaboration would facilitate knowledge exchange on agriculture-based entrepreneurship and other subjects through webinars and workshops, focusing on global market expertise, technological and digital trade, green economy and support for small

Ro

PIONEER
Kanpur

The
Pa
Ed
inated the
onship. I
ter cham
team ach
titles in th
girls and
ry. The C
14 boys'
the girls
under-19
won by th
Nagar.
The th
IV Table
2025 (boy
Sir Pad
Educatio
with gre
sporting
culminat
petition t
tional tale
schools,
Uttar Pra
nessed i
tion and

अमर उजाला 31/07/2025

हा, बैं
शक
एस
फॉर्म
णों अं
स्वास्
बैंक
आधारि
ी है।
कहा वि
में ऐसा
धारित,
क्षम हो,
सके।
ांव तक

सीएसए : कृषि छात्र शुरू कर सकेंगे अपना व्यवसाय

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) से पास आउट छात्र भी अब स्वयं का व्यवसाय कर सकेंगे। इसी उद्देश्य के साथ सीएसए और मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान व सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग के बीच लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में एमओयू हुआ।

विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि इसके तहत कृषि आधारित उद्यमिता सहित अन्य विषयों पर वेबिनार और कार्यशालाओं के माध्यम से वैश्विक बाजार में विशेषज्ञता का आदान-प्रदान होगा। इससे प्रौद्योगिकी और डिजिटल व्यापार, हरित अर्थव्यवस्था तथा छोटे व्यवसाय को सुविधाजनक बनाया जाएगा। कृषि क्षेत्र के उद्योगों को बढ़ावा एवं विकसित करने के लिए नए आयाम स्थापित होंगे। उन्होंने बताया कि योजना के तहत 21 से 40 साल के युवाओं को पांच लाख तक का ब्याज मुक्त, गारंटी मुक्त एवं 10 फीसदी अनुदान युक्त ऋण दिया जाएगा। इसी से सीएसए से पास आउट छात्र स्वयं का व्यवसाय कर सकेंगे। मौके पर एमएसएमई, खादी ग्रामोद्योग, रेशम एवं वस्त्र मंत्री राकेश सचान सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। (ब्यूरो)

शाहू
एमए
इस
विनय
तहत
एमए
प्रदान
प्रोत्सा
विवि
अवस्
उपस्थि

शोध
तक

कानपु
एवं वि
के लि
एंड वे
गया।
तकनी
मह
की गई
सूचीक
डाउनल
दिया ग
कुमार
दुबे मौ

हिंदुस्तान www.livehindustan.com
हिंदुस्तान 31/07/2025
अपना राजकाज/प्रदेश

मुख्यमंत्री ने सीएम युवा कॉन्क्लेव एवं एक्सपो-2025 का किया शुभारंभ, पोर्टल 'यूपी मार्ट' को भी किया लॉन्च

हमारे संस्थान 'टापू', समाज से जुड़ाव टूट रहा: योगी

संबोधन

लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज हमारे संस्थान एक तरह से 'टापू' बन चुके हैं, जिनका समाज और योजनाओं से जुड़ाव टूटता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब जानकारी नहीं होती, तो युवा गलत योजना में फंसते हैं। कर्ज के बोझ से टूट जाते हैं। पलायन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। सीएम युवा योजना न केवल युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित कर रही है, बल्कि उन्हें 'जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर' भी बना रही है।

मुख्यमंत्री ने ये बातें बुधवार को सीएम युवा कॉन्क्लेव एवं एक्सपो-2025 के दौरान लखनऊ में कहीं। उन्होंने निर्देश दिए कि हर जिले से 50 युवाओं को सीएम युवा योजना से जुड़ी प्रदर्शनी दिखाएं, ताकि उन्हें योजनाओं, स्टार्टअप संसाधनों और मार्केट एक्सेस की सही जानकारी हो सके। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर फ्रेंचाइजी व्यवसाय, बिजनेस ऑन व्हील्स व अन्य इनोवेटिव व्यवसायों के ब्रांड्स/मशीनरी की प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं मशीनरी सप्लायर्स पोर्टल 'यूपी मार्ट' की लॉन्चिंग भी की। इस दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष 17 एमओयू भी किए गए। मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश की हस्तशिल्प, कुटीर और एमएसएमई इंडस्ट्री को पुनर्जीवित करने के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं। आज उत्तर प्रदेश में कोई भी नया उद्यम शुरू करने पर पहले 1000 दिन तक किसी प्रकार की लाइसेंस बाध्यता नहीं है। साथ ही, 5 लाख रुपये का बीमा कवर भी दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में युवा कॉन्क्लेव एवं एक्सपो-2025 का उद्घाटन किया।

ब्याज नहीं देना, गारंटी नहीं देनी

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएम युवा योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसकी ब्याजमुक्त और गारंटीमुक्त संरचना है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पूंजी की कमी, ट्रेनिंग का अभाव, और गाइडेंस की दिक्कत इन सभी समस्याओं का समाधान इस योजना के माध्यम से किया गया है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ योजना नहीं, एक आंदोलन है। यह हर उस युवा के लिए अवसर है, जिसके पास सपना है लेकिन साधन नहीं। सीएम ने कहा, युवा उद्यमी योजना ने पूंजी की कमी को दूर किया, ट्रेनिंग की समस्या का समाधान किया, आत्मनिर्भर युवा के मिशन को धरातल पर उतारा।

विदेशों में दिख रहा है यूपी का हुनर

सीएम योगी ने बताया कि 25 से 29 सितंबर, 2025 को नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल ट्रेड शो में भी उत्तर प्रदेश के उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। वहां पर बायर-सेलर मीट होती है। कोई कल्पना भी नहीं करता था कि यूपी में इस तरह की चीजों का प्रोडक्शन होता होगा। पहले साल चार लाख लोग, दूसरी बार 5 लाख लोग इसके सहभागी बने थे। यह उत्तर प्रदेश के पोटेंशियल का एक बहुत बड़ा प्लेटफॉर्म बन चुका है। इस अवसर एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार मौजूद रहे।

जनप्रतिनिधियों, शहीदों के गांवों की सड़कें पहले बनाएं

लखनऊ, विशेष संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि जनप्रतिनिधियों और शहीदों से जुड़े गांवों की सड़कों के निर्माण को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार जनहित से जुड़े प्रत्येक विषय पर संवेदनशील है। कहा कि हर जनप्रतिनिधि जनता की आकांक्षाओं का संवाहक होता है। राज्य सरकार इन सुझावों और मांगों को प्राथमिकता के आधार पर लागू करेगी।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बुधवार को लखनऊ मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद बैठक आयोजित हुई। बैठक में मंडल के जनपदों- लखनऊ, हरदोई, रायबरेली, उन्नाव, सीतापुर और लखीमपुर खीरी के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे 42 विधायकों एवं 5 विधान परिषद सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित प्रमुख नव प्रस्तावित परियोजनाओं, अधोसंरचनात्मक आवश्यकताओं एवं जन अपेक्षाओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त 3,397 विकास प्रस्तावों, जिनकी अनुमानित लागत ₹42,891 करोड़ है, पर जनप्रतिनिधियों के सुझावों को गंभीरता से लिया जाए।

विधायकों, सांसदों से कराएं शिलान्यास

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं पर समयबद्ध, समन्वित एवं पारदर्शी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। योजनाओं का भूमिपूजन एवं शिलान्यास 15 सितंबर के बाद जनप्रतिनिधियों के कर कमलों से कराए। साथ शिलापट्ट पर उनका नाम अवश्य अंकित करें। उन्होंने यह भी कहा कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी स्वीकार्य नहीं होगी।

दैनिक
आज का कानपुर

सीएसए और एमएसएमई के मध्य समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर

आज का कानपुर

लखनऊ/कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर और सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम के मध्य मार्स हाल इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान कार्यक्रम में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए इस अवसर पर प्रदेश की यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपस्थित रहे विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर से विश्वविद्यालय के पास आउट कृषि छात्र अपना स्वयं का नवोन्मेषी व्यवसाय विकसित कर सकेंगे डॉ सिंह ने कहा कि इस समझौता द्वारा कृषि आधारित उद्यमिता सहित अन्य विषयों पर वेबीनार और कार्यशालाओं के माध्यम से वैश्विक बाजार में विशेषज्ञता के आदान-प्रदान जिसमें प्रौद्योगिकी और डिजिटल व्यापार, हरित अर्थव्यवस्था तथा छोटे व्यवसाय को सुविधाजनक बनाया जाएगा तथा कृषि क्षेत्र के उद्योगों को बढ़ावा एवं विकसित करने हेतु नए आयाम स्थापित होंगे उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत 21 से 40 वर्ष के युवाओं को 5 लाख तक का ब्याज मुक्त, गारंटी मुक्त एवं 10त्न अनुदान युक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा यह समझौता विश्वविद्यालय एवं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान सूक्ष्म, लघु एवं उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग उत्तर प्रदेश के मध्य हुआ इस अवसर पर एमएसएमई, खादी, ग्रामोद्योग, रेशम एवं वस्त्र मंत्री राकेश सचान, उद्योग निदेशालय के आयुक्त एवं निदेशक के. विजयेंद्र पांडियन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

क्लाइमेट चेंज में भी लहलहा रहीं गेहूं की नई प्रजातियां

सीएसए यूनिवर्सिटी ने 1963 में रिलीज किया था के-68 गेहूं

Praveen.Mahto@timesofindia.com

नव भारत टाइम्स लखनऊ 31/07/2025

AI Image

कानपुर : क्लाइमेट चेंज के दौर में जब हमारी खाद्य श्रृंखला पर कहीं कम तो कहीं ज्यादा असर दिखने लगा है, तो सवाल उठना चाहिए कि गेहूं का उत्पादन लगातार कैसे बढ़ रहा है? इस सवाल का जवाब कानपुर के चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में मिलता है। बीते दो दशकों में गेहूं की कई ऐसी किस्में किसानों को दी गई हैं, जो जबर्दस्त गर्मी सहने के साथ कम पानी में पूरा उत्पादन दे रही हैं।

तीन दशक पहले लगाया अनुमान : सीएसए यूनिवर्सिटी के कुलपति आनंद कुमार सिंह ने बताया कि कृषि वैज्ञानिकों ने दो-तीन दशक पहले ही अनुमान लगा लिया था कि भविष्य में कृषि उत्पादन पर बदलते मौसम का असर होगा। इन परिस्थितियों में भारत को खाद्य सुरक्षा देने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए गए। कानपुर की सीएसए यूनिवर्सिटी गेहूं पर शोध में देश के सबसे पुराने संस्थानों में एक है।

1964 में आया था के-65 गेहूं, अब तक रिलीज हुई गेहूं की 44 किस्में

इन किस्मों से भर रहा पेट : आनंद कुमार ने बताया कि साल 2002 में सबसे पहले गेहूं की के-7903 (हलना) वैरायटी किसानों को सौंपी गई। इस प्रजाति में तेज गर्मी में गेहूं के पौधे के फलने-फूलने में भी कोई दिक्कत नहीं होती। देरी से बोआई में भी उत्पादन पर फर्क नहीं पड़ता। 2005 में के-9423 (उन्नत हलना) में भी ज्यादा तापमान को सहने की काफी क्षमता थी।

2018 में मिली अनुमति : आनंद कुमार ने बताया कि 2018 में के-1317 किस्म को पूरे भारत में लगाने के लिए केंद्र सरकार से अनुमति मिली। आमतौर पर गेहूं को कम से कम 6-8 बार सिंचाई की जरूरत पड़ती है, लेकिन के-1317 को सिर्फ 2-3 बार सिंचाई चाहिए। आमतौर पर गेहूं में प्रोटीन का स्तर 10% से कम होता है। इसमें बढ़ता तापमान सहने की क्षमता के साथ प्रोटीन का स्तर 10.50% तक पहुंचा दिया गया। जिंक और आयरन का भी ऊंचा स्तर है। मार्च में दाना पकने के समय तेज तापमान से भी गेहूं की यह किस्म बेअसर है। बीमारी भी नहीं लगती। गेहूं की सामान्य किस्में औसतन 4 टन/हेक्टेअर का उत्पादन देती हैं, जबकि के-1317 का उत्पादन 4.5 टन /हेक्टेअर है। बुंदेलखंड, झारखंड, बिहार, राजस्थान और असम में पानी की कमी वाले इलाकों में यह किस्म किसानों की पहली पसंद है।

सिर्फ बारिश से उत्पादन

प्रफेसर विजय कुमार यादव (निदेशक सीड/फार्म) ने बताया कि 2023 में रिलीज हुई के-1616 किस्म को बारिश के पानी से तर होकर 38 क्विंटल/हेक्टेयर का उत्पादन देती है। इसी तरह सिंचाई करने पर उत्पादन 55 क्विंटल/हेक्टेयर तक पहुंच जाता है।

10-12 साल लगती मेहनत

कुलपति आनंद कुमार सिंह के अनुसार, मौसम की जरूरतों के मद्देनजर पहले से मौजूद किसी प्रजाति का दूसरी प्रजाति से परागण कराया जाता है। गेहूं की पहली वैरायटी के सारे गुण दूसरी वैरायटी में चरणबद्ध तरीके से लाने में 7 साल लगते हैं। इसके बाद भारत सरकार इसका अलग-अलग क्षेत्रों में ट्रायल करती है। ट्रायल पूरे होने के बाद नतीजों के आधार पर इसे पूरे देश या खास क्षेत्रों के लिए रिलीज किया जाता है। पूरी प्रक्रिया में 10-12 साल लगते हैं।